

अध्याय - 5 | साम्राज्यों का उदय

QUIZ
PART-06

1. मौर्य साम्राज्य की स्थापना कब हुई?

- A. 321 सा.सं.पू.
B. 400 ईस्वी
C. 1000 ईसा पूर्व
D. 1857 ईस्वी (A)

व्याख्या: सिकंदर के भारत छोड़ने के बाद 321 सा.सं.पू. में चंद्रगुप्त ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

2. मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की?

- A. चंद्रगुप्त मौर्य
B. अशोक
C. पोरस
D. महापद्म नंद (A)

व्याख्या: चंद्रगुप्त मौर्य ने नंद क्षेत्रों को मिलाकर मौर्य साम्राज्य स्थापित किया।

3. चंद्रगुप्त मौर्य को शक्तिशाली साम्राज्य बनाने में किसने मार्गदर्शन दिया?

- A. कौटिल्य
B. मेगस्थनीज
C. पाणिनि
D. पोरस (A)

व्याख्या: कौटिल्य यानी चाणक्य ने चंद्रगुप्त को मार्गदर्शन दिया।

4. कौटिल्य कहाँ के आचार्य थे?

- A. तक्षशिला
B. उज्जैन
C. राजगृह
D. कौशांबी (A)

व्याख्या: कौटिल्य तक्षशिला के आचार्य थे।

5. कौटिल्य ने नंद वंश के शासन का अंत करने की शपथ क्यों ली?

- A. अपमानित और निष्कासित किए जाने के बाद
B. व्यापार रोकने के कारण
C. खेती बंद होने के कारण
D. पोरस के कहने पर (A)

व्याख्या: धनानंद द्वारा अपमानित होने के बाद कौटिल्य ने नंद शासन समाप्त करने का संकल्प लिया।

6. चंद्रगुप्त मौर्य की राजधानी क्या थी?

- A. पाटलिपुत्र
B. तक्षशिला
C. पेशावर
D. उज्जैन (A)

व्याख्या: चंद्रगुप्त ने पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनाया।

7. मेगस्थनीज ने कौन-सी पुस्तक लिखी?

- A. इंडिका
B. अष्टाध्यायी
C. अर्थशास्त्र
D. रामायण (A)

व्याख्या: मेगस्थनीज ने 'इंडिका' लिखी, जो भारत का प्रारंभिक ग्रीक लिखित विवरण माना गया।

8. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में कौन-से विषय आते हैं?

- A. रक्षा, प्रशासन, न्याय, कृषि और लोक-कल्याण
B. केवल कविता
C. केवल संगीत
D. केवल खगोल विज्ञान (A)

व्याख्या: अर्थशास्त्र में राज्य-व्यवस्था, रक्षा, अर्थनीति, न्याय, कृषि और लोक-कल्याण जैसे विषय हैं।

9. कौटिल्य के अनुसार राजा का सर्वप्रमुख कर्तव्य क्या था?

- A. लोगों का कल्याण
B. निजी विलासिता
C. केवल मंदिर निर्माण
D. केवल युद्ध (A)

व्याख्या: कौटिल्य के अनुसार राजा को निजी हित से ऊपर प्रजा के कल्याण को रखना चाहिए।

10. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में क्या शामिल था?

- A. राजा, अमात्य, दुर्ग, जनपद, कोष, दंड और मित्र
B. केवल राजा और सेना
C. केवल व्यापार और कर
D. केवल धर्म और साहित्य (A)

व्याख्या: सप्तांग सिद्धांत राज्य के सात अंगों को बताता है, जिनसे राज्य व्यवस्थित और शक्तिशाली बनता है।